अध्याय - 2| मियाँ नसीरुद्दीन - कृष्णा सोबती

QUIZ-01

1. **'मियाँ नसीरुद्दीन' के लेखक कौन हैं?**
   A. मन्नू भण्डारी B. शेखर जोशी
   C. कृष्णनाथ D. कृष्णा सोबती (C)

व्याख्या : 'मियाँ नसीरुद्दीन' के लेखक कृष्णनाथ हैं, जिन्होंने इस रचना में एक नानबाई के जीवन को संवेदनशील ढंग से चित्रित किया है।

2. **मियाँ नसीरुद्दीन ने भट्ठी पर पकने वाली रोटी का क्या नाम बताया?**
   A. बाकरखानी
   B. शीरमाल
   C. ताफतान
   D. इनमें सभी (D)

व्याख्या : पाठ में बताया गया है कि भट्ठी पर बाकरखानी, शीरमाल और ताफतान जैसी रोटियाँ पकती हैं।

3. **मियाँ नसीरुद्दीन ने किस रोटी को पापड़ से ज्यादा महीन बताया?**
   A. खमीरी
   B. तुनकी
   C. गाजेबान
   D. ताफतान (C)

व्याख्या : मियाँ नसीरुद्दीन ने गाजेबान रोटी को इतनी महीन बताया कि वह पापड़ से भी अधिक पतली होती है।

4. **मियाँ नसीरुद्दीन कौन थे?**
   A. कवि
   B. नानबाई
   C. सैनिक
   D. लेखक (B)

व्याख्या : वे एक पारंपरिक, कुशल और प्रसिद्ध नानबाई थे, जिनकी रोटियाँ बहुत प्रसिद्ध थीं।

5. **खानदानी नानबाई किसमें भी रोटी पका सकता है?**
   A. तालाब
   B. कुएँ
   C. जल स्रोत
   D. नदी (A)

व्याख्या : मियाँ नसीरुद्दीन ने गर्व से कहा कि खानदानी नानबाई तालाब में भी रोटी पका सकता है, यह उनके कौशल का प्रतीक है।

6. **लेखिका मियाँ नसीरुद्दीन के पास किस हैसियत से गई थी?**
   A. पत्रकार की हैसियत से
   B. सम्पादक की हैसियत से
   C. कलाकार की हैसियत से
   D. निबंधकार की हैसियत से (A)

व्याख्या : लेखिका ने खुद को पत्रकार बताया है और इसी हैसियत से वह मियाँ नसीरुद्दीन से मिली थीं।

7. **मियाँ नसीरुद्दीन किस संग्रह से लिया गया है?**
   A. हम हशमत
   B. शब्दों के आलोक में
   C. समय सरगम
   D. मित्रो मरजानी (A)

व्याख्या : यह पाठ कृष्णनाथ की पुस्तक 'हम हशमत' से लिया गया है।

8. **'मियाँ नसीरुद्दीन' किस विधा की रचना है?**
   A. लघुकथा
   B. कहानी
   C. संस्मरणात्मक शब्द चित्र
   D. रिपोतार्ज (C)

व्याख्या : यह रचना संस्मरणात्मक शब्द चित्र के रूप में लिखी गई है जिसमें मियाँ नसीरुद्दीन की झलक मिलती है।

9. **मियाँ नसीरुद्दीन ने किस्म-किस्म की रोटी बनाने का इल्म किससे सीखा था?**
   A. खालाजान से
   B. घड़ीसाज से
   C. वालिद उस्ताद से
   D. मीनासाज से (C)

व्याख्या : उन्होंने रोटियाँ बनाने की कला अपने वालिद उस्ताद से सीखी थी।

10. **मियाँ नसीरुद्दीन को पाठ में किस नाम से संबोधित किया गया?**
   A. नानबाइयों का मसीहा
   B. अमीरों का दूत
   C. भटके का संबल
   D. गरीबों का मसीहा (A)

व्याख्या : उन्हें 'नानबाइयों का मसीहा' कहकर सम्मानित किया गया है, जो उनकी कला और सेवाभाव को दर्शाता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | TEST SERIES